

31/5

पत्रावली नैरा हुये वकील वाही धजिए
नहीं है वकील वाही को रकम 20000
आवार्जे लगाई गयी धजिए नहीं है स्वैर
वाही की अनुपस्थित है लिहाजा वाड वाही
वकील वाही की अदालत धजिए - अदालत फैसले में
स्थापित किया जाता है पत्रावली नैरा है
सुमाए होकर हाथिल इफ्तार है



उपखण्ड अधिकारी
रायसिंहनगर

